PAPER-II
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) __________________________

   (Name) ____________________________

2. (Signature) __________________________

   (Name) ____________________________

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.________________________________

(In words)

J 7 3 1 1

Time : 1 1/4 hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **8**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.
   Example : (A) (B) ● (D)
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **Answer Sheet given inside the Paper I Booklet only.** If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and OMR Answer sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : (A) (B) ● (D)
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये उत्तर-पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं OMR उत्तर-पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।**

संस्कृत परम्परागत विषयः
संस्कृत परम्परागत विषय
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS
प्रश्नपत्रम् – II
प्रश्नपत्र – II
Paper – II

सूचना : अस्मिन् प्रश्नपत्रे **पञ्चाशत् (50)** बहुविकल्पीयप्रश्नाः सन्ति । तेषु **प्रतिप्रश्नमङ्कद्वयम्** । **सर्वे** प्रश्नाः उत्तरणीयाः ।

टिप्पणी : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

Note : This paper contains **fifty (50)** multiple choice questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

1. शुक्रस्य नीचराशिरस्ति
शुक्र की नीच राशि है
The नीचराशि of शुक्र is
(A) वृषः (B) कन्या
(C) मकरः (D) कर्कः

2. आजीविकाविचारस्य प्रधानभावः
आजीविका विचार का प्रधान भाव है
The main भाव of आजीविका विचार is
(A) दशमः (B) द्वादशः
(C) षष्ठः (D) प्रथमः

3. विंशोत्तरीमहादशायां वर्षसंख्याऽस्ति
विंशोत्तरीमहादशा में वर्ष संख्या है
Total number of years in विंशोत्तरीमहादशा is
(A) 108 (B) 120
(C) 36 (D) 110

4. ध्रुवोन्नतिः कथ्यते
ध्रुवोन्नति है
The ध्रुवोन्नति is
(A) नतांश (B) लम्बांश
(C) अक्षांश (D) विषुवांश

5. अहर्गणमानं भवति
अहर्गणमान होता है
The अहर्गणमान is
(A) कल्पात्मकः (B) वर्षात्मकः
(C) मासात्मकः (D) दिनात्मकः

6. 'आकृष्यते तत्पततीव भाति' इत्युक्तिरस्ति
'आकृष्यते तत्पततीव भाति' यह उक्ति है
'आकृष्यते तत्पततीव भाति' is
(A) भास्कराचार्यस्य (B) आर्यभटस्य
(C) सुधाकरस्य (D) महावीराचार्यस्य

7. अभिव्यापक आधारष्य उदाहरणमस्ति
अभिव्यापक आधार का उदाहरण है
An example of अभिव्यापक आधार is
(A) स्थाल्यां पचति ।
(B) कटे आस्ते ।
(C) तिलेषु तैलम् ।
(D) कानने सिंहः

8. 'गोपस्यस्त्री गोपी' इत्यत्र 'ङीष्' विधायकं सूत्रं भवति

'गोपस्यस्त्री गोपी' में 'ङीष्' विधायक सूत्र है

'गोपस्यस्त्री गोपी' Here 'ङीष्' comes by this rule.

(A) क्रीतात्करणपूर्वात् ।

(B) पुंयोगादाख्यायाम् ।

(C) बहुव्रीहेश्चान्तोदात्तात् ।

(D) बह्वादिभ्यश्च ।

9. 'कृष्णसख:' इत्यत्र समास:

'कृष्णसख:' में समास है

The Samasa in 'कृष्णसख:' is

(A) अव्ययीभाव: । (B) तत्पुरुष: ।

(C) बहुव्रीहि: । (D) द्विगु: ।

10. 'हन्' धातो: लटि प्रथमपुरुषैकवचनरूपं

'हन्' धातु के लद में प्रथम पुरुषैकवचन रूप है

The first person singular of the root 'हन्' in लद् is

(A) हत: । (B) हन्ति ।

(C) घ्नन्ति । (D) हतम् ।

11. मीमांसासूत्रकारस्य नाम अस्ति

मीमांसासूत्रकार का नाम है

The name of मीमांसासूत्रकार is

(A) गौतम: (B) जैमिनि:

(C) कणाद: (D) पतञ्जलि:

12. अभावपदार्थं नाङ्गीकुर्वन्ति

अभावपदार्थ स्वीकार नहीं करते

'Absence' is not accepted as a separate entity by

(A) भाट्टा:

(B) प्राचीननैयायिका:

(C) नव्यनैयायिका:

(D) प्राभाकरा:

13. 'व्रीहीनवहन्ति' इत्यस्ति

'व्रीहीनवहन्ति' है

'व्रीहीनवहन्ति' is

(A) अधिकारविधि:

(B) नियमविधि:

(C) परिसङ्ख्याविधि:

(D) विशिष्टविधि:

14. 'टुप्टीका' इति व्याख्या अस्ति

'टुप्टीका' व्याख्या है

'टुप्टीका' is a commentary

(A) जैमिनिसूत्रोपरि

(B) तन्त्रवार्तिकोपरि

(C) शाबरभाष्योपरि

(D) श्लोकवार्तिकोपरि

15. नव्यन्यायस्य आकरग्रन्थ अस्ति

नव्यन्याय का आकरग्रन्थ है

The source book of नव्यन्याय is

(A) तर्कसङ्ग्रह: (B) तत्त्वचिन्तामणि:

(C) तर्ककौमुदी (D) तर्कताण्डवम्

16. अनुमितेः करणमास्ति

अनुमिति का करण है

The Karaṇa of अनुमिति is

(A) व्याप्तिः (B) उदाहरणम्

(C) साध्यम् (D) व्याप्तिज्ञानम्

17. नव्यन्यायमते गुणाः सन्ति

नव्यन्यायमतानुसार गुण हैं

The number of गुणs as per नव्यन्याय is

(A) सप्तदश (B) षोडश

(C) चतुर्विंशतिः (D) पञ्च

18. घटं प्रति अस्य अन्यथासिद्धत्वम्

घट के प्रति अन्यथासिद्धत्व है

So far as a pot is concerned, there is superfluousness _______

(A) दण्डस्य (B) कुलालस्य

(C) चक्रस्य (D) दण्डरूपस्य

19. सांख्यानामनुमानं ।

सांख्यों का अनुमान ।

अनुमान according to the Sāṅkhyas is

(A) चतुर्विधम् । (B) त्रिविधम् ।

(C) पञ्चविधम् । (D) षड्विधम् ।

20. सांख्यमते लघुःप्रकाशकः च गुणः

सांख्यमत में लघु और प्रकाशक गुण है

According to the Sāṅkhyas the गुण that is लघु and प्रकाशक is

(A) तमः । (B) सत्त्वम् ।

(C) रजः । (D) रूपम् ।

21. योगसूत्रानुसारेण नियमाः ।

योगसूत्र के अनुसार नियम है

According to Yogasūtra नियमs are

(A) त्रयः । (B) चत्वारः ।

(C) पञ्च । (D) षट् ।

22. योगसूत्रानुसारेण ब्रह्मचर्यप्रतिष्ठायां

योगसूत्र के अनुसार ब्रह्मचर्य प्रतिष्ठा में होता है

According to Yogasūtra the benefit of ब्रह्मचर्यप्रतिष्ठा is

(A) वीर्यनाशः । (B) वीर्यलाभः ।

(C) निद्राजयः । (D) वैराग्यलाभः ।

23. परिणामवादमङ्गीकुर्वन्ति ।

परिणामवाद स्वीकार करते हैं ।

परिणामवाद is accepted by

(A) जैनाः । (B) बौद्धाः ।

(C) वेदान्तिनः । (D) सांख्याः ।

24. स्याद्वादमङ्गीकुर्वन्ति

स्याद्वाद स्वीकार करते हैं

स्याद्वाद is accepted by

(A) योगिनः । (B) जैनाः ।

(C) बौद्धाः । (D) सांख्याः ।

25. चार्वाकाणां दर्शनं भवति

चार्वाकों का दर्शन है

The philosophy of Charvakas is

(A) आस्तिकम् । (B) नास्तिकम् ।

(C) आत्मवादि । (D) शून्यवादि ।

26. यजुर्वेद माध्यन्दिन-संहितायां अध्याया: सन्ति

यजुर्वेद माध्यन्दिन संहिता में अध्याय हैं

The number of Chapters in the Yajurvada. Mādhyandina Samhitā is

(A) चत्वारिंशत् (B) अष्टादश

(C) पञ्चाशत् (D) त्रिंशत्

27. धर्मे मूलप्रमाणमस्ति

धर्म का मूल-प्रमाण है

Prime Source of Dharma is

(A) उपनिषत्

(B) भारतीय संविधानम्

(C) मनुस्मृति:

(D) वेद:

28. "मा गृध: कस्यस्विद्धनम्" इति सूक्ति: प्राप्यते

"मा गृध: कस्यस्विद्धनम्" यह सूक्ति मिलती है

"मा गृध: कस्यस्विद्धनम्" occurs

(A) श्रीमद्भगवद् गीतायाम्

(B) शुक्ल यजुर्वेदे

(C) ऋग्वेदे

(D) अथर्ववेदे

29. ईशावास्यमिति पदस्य व्याख्यानं माध्ववेदान्ते एवं भवति

'ईशावास्यम्' इस शब्द का व्याख्यान माध्वरीत्या होता है

The term 'ईशावास्यम्' is interpreted in Mādhava Vedanta as

(A) ईशा वास्यम् ।

(B) ईशस्य आवासयोग्यम् ।

(C) ईशेन वास्यम् ।

(D) ईशे वास्यम् ।

30. 'भाट्टसंग्रह:' इत्यस्य कर्तु: नाम

'भाट्टसंग्रह:' गन्थ रचयिता का नाम है

The author of the work 'भाट्टसंग्रह:' is

(A) कुमारिलभट्ट: ।

(B) विजयीन्द्रतीर्थ: ।

(C) राघवेन्द्रतीर्थ: ।

(D) बाचस्पतिमिश्र: ।

31. परेब्रह्मणि भेदाभावप्रतिपादका:

परब्रह्म में भेदाभाव तत्त्व के प्रतिपादक हैं

The propounder of non-difference within Supreme Brahman is

(A) भास्कराचार्या: ।

(B) मध्वाचार्या: ।

(C) वल्लभाचार्या: ।

(D) शंकराचार्या: ।

32. माध्ववेदान्ते स्वीकृतानां प्रमाणानां संख्या भवति

माध्ववेदान्त में स्वीकृत प्रमाणों की संख्या है

The number of Pramāṇas in Mādhava Vedānta is

(A) षट् । (B) पञ्च ।

(C) त्रीणि । (D) चत्वारि ।

33. विकल्प: स्वीक्रियते

विकल्प स्वीकृत होता है

The विकल्प is accepted

(A) अतुल्यबले (B) तुल्यबले

(C) अप्राप्ते (D) असंगते

34. धर्मशास्त्रे दाय: कतिविध:

धर्मशास्त्र में दाय कितने प्रकार के हैं

In Dharmashastra, type of दाय are

(A) त्रिविध: (B) चतुर्विध:

(C) द्विविध: (D) षड्विध:

35. उद्वाहस्यार्थोऽस्ति

उद्वाह शब्द का अर्थ है

The meaning of उद्वाह is

(A) वरस्य विवाह:

(B) कन्याया: विवाह:

(C) विधवाया: विवाह:

(D) बाल्यविवाह:

36. मनुमते धर्मप्रमाणानि सन्ति

मनु के मत में धर्मप्रमाण है

According manu the sources of Dharma are

(A) चत्वारि (B) षड्

(C) नव (D) त्रीणि

37. मम्मटस्य मते ध्वनिकाव्यम् भवति

मम्मट के मत में ध्वनिकाव्य है

According to Mammata, ध्वनिकाव्य is

(A) मध्यमम्

(B) अधमम्

(C) उत्तमम्

(D) उत्तमोत्तमम्

38. अधोलिखितेषु शुद्धं भवति

निम्नलिखित में सही है

correct among the following is

(A) वार्तालाप: काव्यम्

(B) कवे: कर्म काव्यम्

(C) शब्दरूपं काव्यम्

(D) ध्वनिरूपं काव्यम्

39. व्यङ्ग्यार्थस्य नामान्तरम्

व्यङ्ग्यार्थ का नामान्तर है

व्यङ्ग्यार्थ is also called

(A) वाच्यार्थ: (B) तात्पर्यार्थ:

(C) प्रतीयमानार्थ: (D) लक्ष्यार्थ:

40. रससूत्रस्य कर्ता

रससूत्र का कर्ता है

रससूत्र is formulated by

(A) भामह: (B) भरत:

(C) भट्टनायक: (D) राजशेखर:

41. पुराणस्य स्वरूपमस्ति

पुराणों का स्वरूप है

The nature of purāṉas is

(A) उपदेशप्रधानम्

(B) इतिहासप्रधानम्

(C) युद्धप्रधानम्

(D) विनोदप्रधानम्

42. पुराणानां संख्या अस्ति

पुराणों की संख्या है

The number of Purāṉas is

(A) सप्तदश (B) अष्टौ

(C) पञ्चविंशति: (D) अष्टादश

43. 'अहिंसा परमो धर्मः' - इत्युक्तिः अस्ति

'अहिंसा परमो धर्मः' - यह उक्ति है

'अहिंसा परमो धर्मः' - is found

(A) उपनिषदि

(B) महाभारतस्य शान्तिपर्वणि

(C) कालिकापुराणे

(D) अनुशासनपर्वणि

44. 'कलौ आगम-संभव' ग्रंथे वर्तते

'कलौ आगम-संभव' मिलता है

'कलौ आगम-संभव' is found

(A) महानिर्वाण तंत्रे

(B) वेदे

(C) मनुस्मृतौ

(D) कुलार्णव तंत्रे

45. 'त्राणश्च कुरुते यस्मात् तन्त्रमित्यभिधीयते, इत्युक्तमस्ति त्राणस्च कुरुते .... ',

is stated by

(A) रुद्रटाचार्येण

(B) मनुना

(C) शंकराचार्येण

(D) कुमारिल भट्टेन

46. मकारः भवति

मकार होता है

मकारः is

(A) एक विधः (B) द्विविधः

(C) त्रिविधः (D) पञ्चविधः

47. अद्वैतसिद्धेः कर्ता भवति

अद्वैतसिद्धः के रचयिता हैं

The author of Advaitasiddhi is

(A) प्रकाशात्मयतिः

(B) मधुसूदनसरस्वती

(C) अप्पल्यदीक्षितः

(D) श्रीहर्षः

48. वाचस्पतिप्रणीतः वादः

वाचस्पतिप्रणीत वाद है

Vachaspati propounded

(A) प्रतिबिम्बवादः (B) आभासवादः

(C) परिणामवादः (D) अवच्छेदवादः

49. वेदान्ताधिकारी

वेदान्ताध्ययन का अधिकारी है

The person entitled to study vadanta is

(A) स्नातकः

(B) यजमानः

(C) पुरोहितः

(D) साधनषट्कसम्पन्नः प्रमाता

50. अध्यासो नाम

अध्यास है

अध्यास is

(A) स्मृतिरूपः परत्त पूर्वदृष्टावभासः

(B) जगति ब्रह्मणः आरोपः

(C) रजते शुक्त्यारोपः

(D) गगने कुसुमाश्रलारोपः

Space For Rough Work